

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture



सा.अ.16 / 14 / बी.एस. / पी.एन. /

15 जून 2024

प्रेस विज्ञप्ति
साहित्य अकादेमी भाषा सम्मान 2021

साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष श्री माधव कौशिक की अध्यक्षता में स्टैचू ऑफ़ यूनिटी, केवड़िया, गुजरात में शनिवार, 15 जून 2023 को आयोजित अकादेमी की कार्यकारी मंडल की बैठक में वर्ष 2021 के लिए उत्तरी क्षेत्र से कालजयी और मध्यकालीन साहित्य में बहुमूल्य योगदान के लिए डॉ. पुरुषोत्तम अग्रवाल को साहित्य अकादेमी भाषा सम्मान हेतु अनुमोदित किया गया।

भाषा सम्मान से सम्मानित विद्वान को साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष द्वारा बाद में आयोजित एक विशेष समारोह में पुरस्कार स्वरूप 1,00,000/- रुपए की राशि, उत्कीर्ण ताम्रफलक और प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए जाएँगे। भाषा सम्मान विजेता का संक्षिप्त परिचय तथा निर्णायक समिति के सदस्यों के नाम, जिनके निर्णय पर भाषा सम्मान की घोषणा की गई है, निम्नलिखित हैं :

डॉ. पुरुषोत्तम अग्रवाल हिंदी के प्रख्यात आलोचक, कवि, विचारक और कहानीकार हैं। आप हिंदी, खड़ी बोली, ब्रज, अवधी, बुंदेली, अंग्रेजी के ज्ञाता हैं तथा उर्दू, बांग्ला और संस्कृत भी पढ़ सकते हैं। आपने कालजयी और मध्यकालीन साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया है। आपने कई पुस्तकों का लेखन और संपादन किया है, जिनमें उल्लेखनीय हैं – *अकथ कहानी प्रेम की: कबीर की कविता और उनका समय*, *पद्मावत: एक महाकाव्यात्मक प्रेमकथा*, *हिंदी सराय: अस्त्राखान वाया येरेवान*, *नाकोहस और तीसरा रुख*। आधुनिक संदर्भ में कबीर पर पुरुषोत्तम अग्रवाल का कार्य मौलिक है। आपके आधुनिक लेखन को अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। आपने कबीर और उनके दर्शन को वैज्ञानिक कसौटियों पर कसकर जो निर्णय दिया है, वह उत्कृष्ट है। आपने राजकमल प्रकाशन कृति सम्मान, ब्रिटिश एकेडमी फ़ेलो, मुकुटधर पांडेय सम्मान, देवीशंकर अवस्थी सम्मान जैसे सम्मानों से अलंकृत किया गया है। निर्णायक मंडल के सदस्य : डॉ. चंद्र प्रकाश देवल, डॉ. महेश चंद्र शर्मा 'गौतम' और डॉ. उदय प्रताप सिंह।

प्रकाशन/प्रसारण हेतु जारी।

(के. श्रीनिवासराव)

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture



सा.अ.16/14/बी.एस./पी.एन./

15 जून 2024

प्रेस विज्ञप्ति
साहित्य अकादेमी भाषा सम्मान 2023

साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष श्री माधव कौशिक की अध्यक्षता में स्टैचू ऑफ यूनिटी, केवड़िया, गुजरात में शनिवार, 15 जून 2023 को आयोजित अकादेमी की कार्यकारी मंडल की बैठक में वर्ष 2023 के लिए उत्तरी तथा दक्षिणी क्षेत्र से कालजयी और मध्यकालीन साहित्य में बहुमूल्य योगदान के लिए दो लेखकों/विद्वानों को साहित्य अकादेमी भाषा सम्मान हेतु अनुमोदित किया गया।

भाषा सम्मान से सम्मानित विद्वान को साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष द्वारा बाद में आयोजित एक विशेष समारोह में पुरस्कार स्वरूप 1,00,000/- रुपए की राशि, उत्कीर्ण ताम्रफलक और प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए जाएंगे। भाषा सम्मान विजेताओं का संक्षिप्त परिचय तथा निर्णायक समिति के सदस्यों के नाम, जिनके निर्णय पर भाषा सम्मान की घोषणा की गई है, निम्नलिखित हैं :

उत्तरी क्षेत्र (2023)

प्रो. अवतार सिंह पंजाबी के सेवानिवृत्त प्रोफेसर, निबंधकार, वक्ता और जीवनीकार हैं। आपने तीन किताबें लिखी हैं, जिनमें *सिख संत*, *रत्नावली* और *एक निबंधकार-कपूर सिंह* शामिल हैं। आप एक बेहतरीन निबंधकार हैं। आप नए युग के निबंधकार, जो डिजिटल प्लेटफॉर्म फेसबुक पर अपने विचार लिखते हैं, लोगों की चिंता के मुद्दों पर चिंतन करते हैं और उन्हें उनकी सच्ची रोशनी में दिखाते हैं। आप पंजाबी भाषा के असाधारण अभ्यासी हैं। आपने कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों और सम्मेलनों में भाग लिया है, तथा कालजयी और मध्यकालीन साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया है।
निर्णायक मंडल के सदस्य : प्रो. जसपाल सिंह, डॉ. शीन काफ़ निजाम और डॉ. रजनीश कुमार मिश्र।

दक्षिणी क्षेत्र (2023)

डॉ. के.जी. पॉलोज केरल विश्वविद्यालय के संस्कृत विद्वान हैं। आप अंग्रेज़ी, संस्कृत और मलयाळम् भाषाओं के ज्ञाता हैं। आपने कालजयी और मध्यकालीन साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया है। आपने अंग्रेज़ी तथा मलयाळम् में 20 पुस्तकें लिखी हैं और पचास से अधिक पुस्तकों का संपादन किया है। आपने रंगमंच, साहित्यिक आलोचना, सामाजिक और समकालीन मुद्दों के विभिन्न पहलुओं पर 50 शोधपत्र और संस्कृत में सौ से अधिक आलेख प्रकाशित किए हैं। आप विभिन्न शैक्षणिक पदों से जुड़े हुए हैं। डॉ. पॉलोज को कई पुरस्कार प्राप्त किए हैं, जिनमें केरल संस्कृत अकादमी पुरस्कार, अबुधाबी शक्ति पुरस्कार, केरल संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, डॉ. सी.पी. मेनन स्मारक पुरस्कार शामिल हैं।
निर्णायक मंडल के सदस्य : डॉ. सी. राजेंद्रन, डॉ. आर. अनंत पद्मनाभ राव और डॉ. हम्पा नागराजैया।

प्रकाशन/प्रसारण हेतु जारी।

(के. श्रीनिवासराव)

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी

(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था

Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)



An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

सा.अ.16/14/बी.एस./पी.एन./

15 जून 2024

प्रेस विज्ञापित
साहित्य अकादेमी भाषा सम्मान 2023

साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष श्री माधव कौशिक की अध्यक्षता में स्टैचू ऑफ़ यूनिटी, केवडिया, गुजरात में शनिवार, 15 जून 2024 को आयोजित अकादेमी की कार्यकारी मंडल की बैठक में वर्ष 2023 के लिए गैर-मान्यता भाषाओं के संवर्धन में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए तीन लेखकों/विद्वानों को साहित्य अकादेमी भाषा सम्मान हेतु अनुमोदित किया गया।

भाषा सम्मान से सम्मानित विद्वान को साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष द्वारा बाद में आयोजित एक विशेष समारोह में पुरस्कार स्वरूप 1,00,000/- रुपए की राशि, उत्कीर्ण ताम्रफलक और प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए जाएंगे। भाषा सम्मान विजेताओं का संक्षिप्त परिचय तथा निर्णायक समिति के सदस्यों के नाम, जिनके निर्णय पर भाषा सम्मान की घोषणा की गई थी, निम्नलिखित हैं :

मिज़ो (2023) संयुक्त रूप से

श्री रेन्थलेई लालरावना प्रख्यात मिज़ो लेखक, निबंधकार, अनुवादक और शिक्षाविद् हैं। आपने दर्शनशास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की है। वर्तमान में, आप गिलजोम प्रकाशन के संपादक हैं। आपकी अनुवाद सहित 30 पुस्तकें प्रकाशित हैं, इसके अलावा आपने 30 से अधिक महत्वपूर्ण लेख लिखे हैं। आपके कविताओं/गीतों के तीन संग्रह प्रकाशित हैं। आपकी कुछ प्रकाशित पुस्तकें हैं - *खा लेह तुई*, *थलाइट थियान*, *छुंगकाव इंटोडेल्हना*, *मदर टेरेसा*, *मिज़ो रोहलू*, *द रोब* और *जूलियस सीजर*। आप मिज़ो भाषा, साहित्य, साक्षरता और संस्कृति के विकास के लिए अथक और अथक प्रयास कर रहे हैं।

श्री रोज़ामा चावंग्थू एक प्रसिद्ध मिज़ो लेखक और अनुवादक हैं। आपने राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि और पत्रकारिता में पीजी डिप्लोमा प्राप्त किया है। आपने 19 पुस्तकों का लेखन और अनुवाद किया है, जिनमें से कुछ हैं, *इंग्लिश जिरना*, *सोशल स्टडीज नोट बाय फ़ोर टीचर्स*, *डिक्शनरी ऑफ़ म्यूज़िक*, *क्रिकेट जिर तान बु*, *हुनबी चिरना*। आपने कई नाटक क्लबों द्वारा मंचित और आकाशवाणी और दूरदर्शन आइज़ोल केंद्र से प्रसारित किए गए विभिन्न नाटक मिज़ो में लिखे हैं। आपको भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वारा उत्कृष्ट शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। आप मिज़ो भाषा के विकास के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं।

निर्णायक मंडल: श्री आर. लल्लियनजुआला, प्रो. रुआलखुमा कोल्नी और डॉ. दारचुआइलौवा रेन्थलेइ।

बुंदेली (2023)

पं. दुर्गाचरण शुक्ल एक प्रख्यात बुंदेली विद्वान हैं। आप भारतीय साहित्य, संस्कृति, अध्यात्म और दर्शन की जीवंत प्रतिमूर्ति हैं। आपकी प्रमुख कृतियों में *बुंदेली शब्दों का व्युत्पत्ति कोष*, *महर्षि अगस्त्य दृष्टा ऋग्वेद मंत्र भाष्य*, *ऋषि हयग्रीवकृत 'शाक्त दर्शनम'* और *अगस्त्यकृत 'शक्तिसूत्रम'*, *ब्रह्मवादिनी - दृष्टा मंत्र भाष्य एवं अवदान* आदि शामिल हैं। आपकी पुस्तक *चौदह विद्याएं और चौसठ कलाओं में अंतर संबंध* मुद्रणाधीन है। आपको महर्षि अगस्त्य अलंकरण, सांस्कृत्यायन सम्मान, स्वामी विष्णुतीर्थ आध्यात्मिक ग्रंथ सम्मान, तुलसी मानस प्रतिष्ठान, पूर्ण सरस्वती सम्मान सहित कई पुरस्कारों और सम्मानों से अलंकृत किया गया है।

निर्णायक मंडल : डॉ. श्यामसुंदर दुबे, डॉ. वीरेंद्र निर्झर और डॉ. बहादुर सिंह परमार।

प्रकाशन/प्रसारण हेतु जारी।

(के. श्रीनिवासराव)